

अस्थिविज्ञान पुं. (तत्.) आयुर्विज्ञान की शाखा जिसमें अस्थियाँ (हड्डियाँ) का अध्ययन होता है।

अस्थि-शेष वि. (तत्.) जिसके शरीर में केवल हड्डियाँ रह गई हो या बहुत दुबला।

अस्थि सुषिरता स्त्री. (तत्.) आयु. हड्डियों का एक रोग जिसमें अस्थि-निर्माण प्रक्रिया में कमी आ जाने के कारण अस्थि ऊतक कम हो जाते हैं और उसके परिणाम स्वरूप संरचना कमजोर हो जाती है osteoporosis

अस्निग्ध वि. (तत्.) 1. जिसमें चिकनापन न हो, शुष्क, खुरदरा 2. जो सहृदय न हो, निर्दय, कठोर।

अस्पंद वि. (तत्.) स्पंदनहीन, जिसमें कंपन या स्पंदन हो, न हिलने-डुलने वाला विलो. स्पंदित।

अस्पताल पुं. (अं.) आयु. रोगियों तथा घायल व्यक्तियों के व्यवस्थित उपचार का स्थान जहाँ पर चिकित्सक, चिकित्सा उपकरण, रोगियों के विश्राम के लिए सभी सुविधाएँ होती हैं, चिकित्सालय।

अस्पष्ट वि. (तत्.) 1. जो साफ दिखाई न दे, या समझ में न आए, जो स्पष्ट या साफ न हो 2. धुँधला, संदिग्ध 3. उच्चारण में अस्फुट।

अस्पृश्यता स्त्री. (तत्.) अस्पृश्य होने का भाव। अछूतपन। समा. समाज में परंपरा से चली आई एक कुप्रथा जिसके कारण निम्न स्तर की मानी जाने वाली कुछ जातियाँ अछूत समझी जाती थीं, छुआछूत।

अस्पृष्ट वि. (तत्.) जिसका स्पर्श न किया गया हो, जिसे छुआ न गया हो।

अस्पृह वि. (तत्.) स्पृहा अर्थात् इच्छा, कामना, लालच, ईर्ष्या आदि से रहित, निःस्पृह, निर्लोभ, जिसमें लालच न हो, निष्काम।

अस्फुट वि. (तत्.) 1. जो स्पष्ट न हो, जो साफ न हो, जो उच्चस्वर में नहीं हो 2. संदिग्ध।

अस्मत स्त्री. (अर.) सतीत्व, पातिव्रत्य, शील, निष्पापता प्रयो. स्त्रियों पर निष्ठुरतापूर्वक भयंकर अत्याचार किए गए, न किसी की प्रतिष्ठा का ध्यान रखा गया, न किसी की अस्मत का ख्याल।

अस्मार्त वि. (तत्.) 1. जो स्मार्त अर्थात् स्मृतियों का अनुयायी न हो 2. स्मृतिविरोधी विलो. स्मार्त।

अस्मि अ.क्रि. (तत्.) मैं हूँ।

अस्मिता स्त्री. (तत्.) 1. मैं हूँ का भाव 2. व्यक्ति के लक्षणों, गुण-धर्मों आदि की विशेषताएँ और विचित्रताएँ जो उसकी विशिष्ट पहचान बन जाती हैं, वैयक्तिक, पहचान identity 2. योग में दृक, दृष्ट और दर्शन शक्ति को एक मानना या पुरुष (आत्मा) और बुद्धि में अभेद मानने की भ्रांति, क्लेश 3. विद्यमानता 4. गर्व, अभिमान, मोह 5. हृदयग्रंथि।

अस्र पुं. (तत्.) 1. कोना 2. रुधिर 3. जल 4. आँसू 5. केसर 6. बाल पुं. (अर.) 1. दिन का चतुर्थ प्रहर जैसे- अस्र की नमाज़ 2. समय, वक्त, काल।

अस्वच्छंद वि. (तत्.) जो मन-मर्जी न कर सके, जो स्वतंत्र न हो, बँधा हुआ विलो. स्वच्छंद।

अस्वच्छ वि. (तत्.) जो साफ सुथरा न हो, गंदा मैला, धुँधला, काला विलो. स्वच्छ।

अस्वतंत्र वि. (तत्.) जो स्वतंत्र न हो, पराधीन, दास, गुलाम। विलो. स्वतंत्र।

अस्वप्न पुं. (तत्.) 1. न सोने वाला देवता 2. अनिद्रा, वि. (तत्.) जिसे नींद न आती हो।

अस्वर वि. (तत्.) अस्पष्ट, मंद, स्वरहीन या बेसुरा।

अस्वर्ग्य वि. (तत्.) जिससे स्वर्ग की प्राप्ति न हो, जो स्वर्ग-संबंधी न हो विलो. स्वर्ग्य।

अस्वस्थ वि. (तत्.) स्वस्थ न होने की स्थिति, बीमारी।

अस्वाधीन वि. (तत्.) पराधीन, परतंत्र, जो स्वतंत्र या स्वाधीन न हो विलो. स्वाधीन।